an>

Title: Need to develop places of historical and mythological importance in Kheri Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

**श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी)** ः मेरे लोक सभा क्षेत्र लखीमपुर (खीरी) उ.प्र. तराई में नेपाल सीमा पर स्थित घने वनों व नदियों से घिरा एक खूबसूरत क्षेत्र है। जहां दुधवा नेशनल पार्क टाईगर रिजर्व व वन क्षेत्र हैं व बारासिंहा, सांभर सहित हाथी, गैंडें, तेंदुआ आदि भी रहते हैं। यहां की नदियों में क्रोकोडाइल व डॉल्फिन भी पायी जाती है।

लखीमपुर (खीरी) का ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व भी है। यहां ग्राम दुलही व रामवटी में गोस्वामी तुलसीदास की रामचरित मानस की हस्तलिखित पांडुलिपि सहित पांडवों के अज्ञातवास व गोल गोलकरन नाथ, गज मोचन नाथ, खैरीगढ़ में रूकमणी मंदिर, संकटा देवी व लिलौथी नाथ का भी बड़ा महत्व है तथा पुराने समय में सिंगाही (खैरीगढ़ स्टेट), ओयल, झण्डी, ईसानगर आदि रजवाड़ों ने भी मेडक मंदिर, भूल भुलैया, रानी महल व खैरीगढ़ का किला जैसे दर्शनीय स्थलों का निर्माण कराया है। यह क्षेत्र खैरीगढ़ नस्ल के बैलों के लिए भी प्रसिद्ध व अच्छी व उपजाऊ कृषि भूमि वाला खुशहाल क्षेत्र है।

ऐसी अनुकूल परिस्थितियों के कारण क्षेत्र के पर्यटन, ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व को देखते हुए मेरा आपसे अनुरोध है कः-

1. मेरे लोक सभा क्षेत्र खीरी, उत्तर प्रदेश को रामायण सर्किल से जोड़ने व पर्यटन स्थल घोषित करके विकसित करने एवं

2. मेरे लोक सभा क्षेत्र में पर्यटन व आवागमन के साधन बढ़ाने हेतु पूर्व से निर्मित पलिया (पटिहन) एयरपोर्ट से लखनऊ व दिल्ली हेतु विमान सेवा प्रारंभ करने की कृपा करें।